प्रथमसत्रीया परीक्षा **(2014–15)**	**विषय – संस्कृत**	**कक्षा –अष्टमी**

सामान्य निर्देशाः

(1) अस्मिन् प्रश्नपत्रे चत्वारः खण्डाः सन्ति।

खण्डः 'क' अपठित – अवबोधनम् — **10**

खण्डः 'ख' रचनात्मकं –कार्यम् — **15**

खण्डः 'ग' अनुप्रयुक्त –व्याकरणम् — **30**

खण्डः 'घ' पठित – अवबोधनम् — **35**

(2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।

(3) प्रश्नानाम् उत्तराणि खण्डानुसारं क्रमेणैव लेखनीयानि।

(4) प्रश्नसंख्या अवश्यं लेखनीया।

(5) उत्तराणि संस्कृतेन एव लेखनीयानि।

	खण्डः 'क' अपठित – अवबोधनम् — **10**
क1•	अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–
	1• एकपदेन उत्तरत —
	(1) स्वनीडानि (2) आश्रमेषु (3) चायम् (4) बालकाः
	2•पूर्णवाक्येन उत्तरत—
	(1) सायंकाले कमलानि म्लानानि भवन्ति कुमुदानि च विकसन्ति।
	(2)जनाः सायंकाले जनाः दूरदर्शनम् पश्यन्ति चायपानं च कुर्वन्ति।
	3• भाषिककार्यम् —
	(1) सायंकाले (2) 'कमलानि (3) तु ,सर्वत्र , ततः , च
	(4) (घ) सप्तमी
	4•प्रणिनाम् दिनचर्या।
	खण्डः 'ख' रचनात्मकं कार्यम् — **15** अङ्काः
ख	मञ्जूषायां प्रदत्तशब्दानां सहायतया चित्रं दृष्ट्वा पञ्च वाक्यानि लिखत।
1•	छात्राः शब्दसूचीसहायतया भावानुसारं स्वयमेव पञ्चवाक्यानि लेखिष्यन्ति।
ख	अधोलिखितं संवादं मञ्जूषायां प्रदत्तशब्दैः पूरयत —
2•	(1) त्वम् (2) खादनम् (3) स्वास्थ्याय (4) पानेन 5) माता
	खण्डः 'ग' अनुप्रयुक्तव्याकरणम् — **30** अङ्काः
ग1•	(अ)अधोलिखित शब्दों के वर्णविच्छेद कीजिए –
	(1) परीक्षा — प् +अ+ र् + ई+क् +ष् +आ
	(2) जागरुकता — ज् +आ +ग् +अ +र् +उ +क् +अ+त् +आ

	(3) जानामि — ज् +आ +न् +आ +म्+ इ (आ) वर्ण संयोजन कीजिए – (1) ग् + ऋ + ह् +अ +स्+ य् +अ = गृहस्य (2) प् +उ +स् +त्+अ+ क् +आ +न् + इ = पुस्तकानि
ग2•	रेखांकितपदानां सन्धिच्छेदम् अथवा सन्धिं निम्नलिखितेषु पदेषु उचितं पदं चित्वा लिखत — 1• (ग) उद्घाटनम् 2• (क) उच्चारणम् 3• (क) गुरु+उपदेशः 4• (ग) परम+ ईश्वर 5• (घ) महा+ऐश्वर्यम्
घ3• ग4•	अधोलिखितानां स्थूलाक्षरपदानां प्रकृति–प्रत्यय प्रदत्तविकल्पेभ्यः चित्वा लिखत (1) (ग) प्रणम्य (2) (क) आदाय (3) (ग)खाद्+ तुमुन् (4) (घ) गम्+ क्त्वा (5) (घ) कृत्वा संख्याम् अवलोक्य समुचित संख्यावाचिशब्दैः रिक्तस्थानपूर्तिः कुरूत — (क) पञ्चाशत् (ख) चतुर्चत्वारिंशत् (ग) चतस्रः (घ) अष्टादश (ङ) चत्वारः
ग5• ग6•	अधोलिखित धातुरूपों के रिक्त–स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों द्वारा कीजिए– क्रम मूलधातु लकार पुरूष एकवचन द्विवचन बहुवचन 1• अस् लोट् प्रथम **अस्तु** स्ताम् **सन्तु** 2• पठ् लृट् उत्तम पठिष्यामि **पठिष्यावः** **पठिष्यामः** 3• हस् लोट् मध्यम **हस** **हसतम्** हसत 4• धाव् विधि• प्रथम धावेत् **धावेताम्** **धावेयुः** 5• नम् लङ् उत्तम **अनमम्** अनमाव **अनमाम्** अधोलिखित शब्दरूपों की विभक्तियाँ उचित शब्दों द्वारा भरिए— क्रम मूलशब्द विभक्ति एकवचन द्विवचन बहुवचन 1• गुरु चतुर्थी गुरवे **गुरुभ्याम्** **गुरुभ्यः** 2•तत् पु• तृतीया **तेन** **ताभ्याम्** तैः 3• लता पञ्चमी **लतायाः** लताभ्याम् **लताभ्यः** 4•युष्मद् षष्ठी तव **युवयोः** **युष्माकम्** 5•अस्मद् सप्तमी **मयि** **आवयोः** अस्मासु
	खण्डः 'घ' पठित – अवबोधनम् — **35**
घ1•	अधोलिखित गद्यांशों का सप्रसंग हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए — (क) सप्रसंग – प्रस्तुत गद्यांश हमारी संस्कृत पाठ्यपुस्तक बाल संस्कृत कणिका भाग –

	3 के पाठ 'अस्माकं संकल्पः' से लिया गया है। इस गद्यांश में पिता के कर्तव्य के बारे में बताया गया है। अनुवाद सौरभ– माँ भी अपने बच्चे को गोद में रखती है ,उसको प्यार करती है ,दूध पिलाती है और भोजन खिलाती है। पुनीत– पिता भी बालक को प्यार से पाल–पोषकर बड़ा करता है , पढ़ने के लिए विद्यालय भेजता है। विद्यालय में अध्यापक उसे पढ़ाते हैं , खिलाते हैं और उसे ज्ञान भी देते हैं। सौरभ– मैं सोचता हूँ कि हमारे माता–पिता धन कमाकर हमें जीवन की सभी सुख सुविधाएँ देते हैं। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं। वे हमारा भला चाहते हैं। (ख) सप्रसंग – प्रस्तुत गद्यांश हमारी संस्कृत पाठ्यपुस्तक बाल संस्कृत कणिका भाग – **3** के पाठ 'पूर्वराष्ट्रपतिः ए•पी•जे•अब्दुलकलामः' से लिया गया है। इस गद्यांश में पूर्व राष्ट्रपति कलाम जी के बचपन के बारे में बताया गया है। अनुवाद पिता– बचपन से ही उनकी रुचि पुस्तकें पढ़ने में और नए नए प्रयोगों में थी। वे वीणा बजाने में निपुण थे। और तमिल भाषा में कविता लिखने में भी वे समर्थ थे। वे एक सफल लेखक भी हैं। जयव्रतः– उनके बचपन के विषय में भी जानना चाहता हूँ। पिता–एक संयुक्त परिवार में उनका जन्म हुआ। वह सभी का स्नेहपात्र था। वह एक गम्भीर , कुशाग्र–बुद्धि और मेहनती बालक था। उनके पिता जी ने धन के अभाव में बड़ी मुश्किल से उन्हें पढ़ाया।
घ **2•**	अधोलिखित श्लोकों का सप्रसंग हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए — (क) सप्रसंग – प्रस्तुत श्लोक हमारी संस्कृत पाठ्यपुस्तक बाल संस्कृत कणिका भाग – **3** के पाठ 'प्रेरणाप्रदाः श्लोकाः' से लिया गया है। इस श्लोक में बताया गया है कि तृप्त व्यक्ति को दान देना बेकार होता है। अनुवाद – जिस प्रकार से समुद्रों में बरसात होना बेकार होता है , संतुष्ट व्यक्ति को भोजन देना बेकार होता है। उसी प्रकार से धनवान मनुष्य को दान देना बेकार होता है तथा दिन में दीपक जलाना भी बेकार होता है। (ख) सप्रसंग – प्रस्तुत श्लोक हमारी संस्कृत पाठ्यपुस्तक बाल संस्कृत कणिका भाग – **3** के पाठ 'अमृता वाणी' से लिया गया है। इस श्लोक में बताया गया है कि विद्यार्थी को सुख की इच्छा छोड़कर परिश्रम करना चाहिए। अनुवाद – सुख चाहने वाले को विद्या छोड़ देनी चाहिए ,विद्या चाहने वाले को सुख छोड़

	देना चाहिए। सुख चाहने वाले को विद्या कहाँ से प्राप्त हो सकती है ? तथा विद्यार्थी को सुख कहाँ से प्राप्त हो सकता है ?
घ **3•**	अधोलिखितानाम् केषाञ्चन पञ्च प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृत भाषायां यच्छत (क) यथा बीजं तथा फलम् भवति । (ख) गजस्य माता नेत्रहीना आसीत् । (ग) गजराजः स्वदलं मातुः सेवार्थम् अत्यजत् । (घ)अब्दुलकलामस्य आस्था 'गीता' 'कुरान' द्वयोः पुस्तकयोः अस्ति । (ङ) चन्द्रयानम् भारतीय –वैज्ञानिकैः निर्मितम् आसीत् । (च) सौर्यमण्डलस्य चन्द्रः ग्रहः सर्वान् आकर्षयति । (छ) महताम् एकरुपता सम्पत्तौ विपत्तौ च भवति । (ज) व्यापारी वर्गस्य जनाः बुद्धिमत्तमाः आसन् । (झ) राजगुरुः पञ्च स्वर्णमुद्राः गृहीत्वा स्वशिखाम् अयच्छत् ।
घ **4•**	रेखांकित पदम् आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कियताम् – **(1)** (ख) कान् **(2)** (क) कः **(3)** (घ)केन **(4)** (ख) कति **(5)** (ग) कान्
घ **5•**	निम्न में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृतभाषा में अनुवाद कीजिए – **1•**श्वेतः गजः मातृभक्तः आसीत्। **2•**अहम् अष्टमी कक्षायाम् पठामि। **3•**श्वेतगजः मातरम् असेवत। **4•**अब्दुल–कलामः अस्माकं देशस्य प्रमुखः वैज्ञानिकः आसीत्। **5•** मह्यम् संस्कृत पठनम् रोचते। **6•** मम कक्षायाम् चत्वारिंशत् छात्राः सन्ति। **7•** मम विद्यालयस्य अभिधानम् आई• टी• एल•अस्ति। **8•**मम विद्यालयस्य प्रधानाचार्यायाः अभिधानम् श्रीमती सुधा आचार्या अस्ति।